भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2131
उत्तर देने की तारीख 09 दिसंबर, 2024
18 अग्रहायण, 1946 (शक)

भारत में खेलों से संबंधित शिक्षा का विकास

2131. श्री अनुराग सिंह ठाकुर:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने देश में खेलों से संबंधित शिक्षा के विकास के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में खेलों से संबंधित शिक्षा को शामिल करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) खेल प्रबंधन, प्रशिक्षण और विज्ञान में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए शुरू की गई पहलों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) देश में खेलों से संबंधित शिक्षा और अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की दिशा में क्या प्रगति हुई है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (ग) : 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण, देश में खेल-संबंधी शिक्षा और खेल के विकास का मुख्य उत्तरदायित्व संबंधित राज्य और संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों का है। केंद्र सरकार इन प्रयासों में सहायता करने की एक पूरक भूमिका निभाती है। तथापि, भारत सरकार ने खेल शिक्षा के संवर्धन और इसे समग्र विकास के एक महत्वपूर्ण पहलू के रूप में शामिल करने के लिए कई पहल की हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य खेल शिक्षा हेतु एक मजबूत इकोसिस्टम बनाना और खेलो इंडिया कार्यक्रम, एनईपी 2020 के साथ एकीकरण, खेल प्रतिभा की पहचान, खेलों में कौशल विकास और ई-खेल पाठशाला के माध्यम से जमीनी स्तर से विशिष्ट स्तर तक प्रतिभा का पोषण करना है। शिक्षा मंत्रालय की समग्र शिक्षा स्कीम में प्री-स्कूल से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक स्कूली शिक्षा की निरंतरता परिकल्पित करती है और इसका उद्देश्य सभी स्तरों पर समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करना है। इसमें खेल और शारीरिक शिक्षा घटक शामिल हैं, जिसके अंतर्गत सभी सरकारी

स्कूलों में इनडोर और आउटडोर खेलों के खेल उपकरण के लिए अनुदान का प्रावधान किया गया है।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तत्वावधान में विभिन्न संस्थान इंफाल, मणिपुर में राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय (एनएसयू) ; मध्य प्रदेश के ग्वालियर में लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई); तिरुवनंतपुरम, केरल में लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय (एलएनसीपीई); पंजाब के पटियाला में नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनएसएनआईएस) ; और राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) स्कीम के अंतर्गत देशभर के छात्रों के लिए खेल, शारीरिक शिक्षा, खेल प्रबंधन, खेल कोचिंग, खेल विज्ञान आदि में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रम सहित कई प्रकार के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

(घ) एनसीएसएसआर, नई दिल्ली के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में खेल विज्ञान में अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ विशिष्ट विधाओं में एथलीटों को प्रशिक्षित करने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के अंतर्गत कुल 24 राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) स्थापित किए गए हैं । एनएसएनआईएस, पटियाला अपनी फेकल्टी एक्सपर्टीज़ और सुविधाओं के माध्यम से मौजूदा और आगामी एनसीओई के लिए एक परामर्श केंद्र के रूप में कार्य करता है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों को ई-खेल पाठशाला जैसी पहलों द्वारा भी समर्थन प्राप्त है, जो इन केंद्रों पर विकसित अत्याधुनिक अनुसंधान, प्रशिक्षण विधियां और व्यावहारिक ज्ञान ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक प्रसारित करता है, जिससे खेल शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए एक सहक्रियात्मक दृष्टिकोण सुनिश्चित होता है।

****